बी.ए. द्वितीय वर्ष (हिन्दी) सेमेस्टर-3
छायावादोत्तर हिन्दी काव्य
मुख्य एवं प्रथम गौण
प्रश्नपत्र-5. HIN.C.C.....E.C.....

प्रतिपाद्य :

छायावादोत्तर हिन्दी काव्य एक नवीन भावभूमि एवं वैचारिक चेतना को लेकर अवतरित हुआ | यूरोप के रोमांटिसिज्म के प्रभाव स्वरूप जन्मे हिन्दी छायावादी काव्य के वैयक्तिक रागात्मकता एवं इतिवृत्तात्मकता के विरुद्ध एक नवीन भावभूमि से अनुप्राणित मानवीय संवेदना को छायावादोत्तर काव्य प्रस्तुत करता है | आधुनिक युग में हिन्दी के छात्र इन नवीन चिंतन से परिचित हों यह आवश्यक है |

पाठ्यपुस्तक : छायावादोत्तर हिन्दी कविता - संपादक- डॉ.आलोक गुप्त
जयभारती प्रकाशन 267-बी मुट्ठीगंज, माया प्रेस, इलाहाबाद-3

पाठ्यवस्तु :

युनिट-1 1.1 रामधारीसिंह दिनकर के व्यक्तित्व-कृतित्व का अध्यापन |

1.2 निम्नलिखित काव्यों का भावगत-शिल्पगत अध्ययन तथा स-संदर्भ व्याख्या एवं टिप्पणियाँ आदि का अध्यापन |

कविताएँ : 1) हिमालय 2) अनल किरीट
3) समर शेष है 4) परशुराम की प्रतीक्षा

कक्षा अध्यापन 12 घंटे, अंक 18

युनिट-2 2.1 हरिवंशराय बच्चन के व्यक्तित्व-कृतित्व का अध्यापन |

2.2 निम्नलिखित काव्यों का भावगत-शिल्पगत अध्ययन तथा स-संदर्भ व्याख्या एवं टिप्पणियाँ आदि का अध्यापन |

कविताएँ : 1) इस पार उस पार 2) आत्म परिचय

3) अँधेरे का दीपक 4) जो बीत गई सो बात गई

कक्षा अध्यापन 12 घंटे, अंक 18

युनिट-3 3.1 शिवमंगल सिंह ' सुमन 'के व्यक्तित्व-कृतित्व का अध्यापन |

3.2 निम्नलिखित काव्यों का भावगत-शिल्पगत अध्ययन तथा स-संदर्भ व्याख्या एवं टिप्पणियाँ आदि का अध्यापन |

कविताएँ : 1) वरदान मागूँगा नहीं 2) आभार

3) पर आँखे नहीं भरी 4) मिट्टी की महिमा

कक्षा अध्यापन 11 घंटे, अंक 17

युनिट-4 4.1 नागार्जुन के व्यक्तित्व-कृतित्व का अध्यापन |

4.2 निम्नलिखित काव्यों का भावगत-शिल्पगत अध्ययन तथा स-संदर्भ व्याख्या एवं टिप्पणियाँ आदि का अध्यापन |

कविताएँ : 1) उनको प्रणाम 2) कालिदास

3) अकाल और उसके बाद 4) मास्टर

कक्षा अध्यापन 10 घंटे, अंक 17

<u>प्रश्नपत्र प्रारूप :</u>

लिखित परीक्षा 70 अंक

आतंरिक मूल्यांकन :

1. कसौटी - 15 अंक | (10 अंक निबंधलक्षी प्रश्न और 5 अंक के लघुत्तरी प्रश्न)
2. स्वाध्याय/प्रस्तुतीकरण - 10 अंक |
3. उपस्थिति - 05 अंक |

कुल - 30 अंक

1.1 30 अंक की कसौटी के अंतर्गत 4 इकाइयों से 4 प्रश्न होंगे और प्रश्नों के अंक क्रमशः 08+08+07+07=30 रहेंगे |

1.2 स्वाध्याय कम से कम 15 पृष्ठों में लिखा हुआ होना अनिवार्य है |

सूचना : आंतरिक एवं लिखित परीक्षा का विश्वविद्यालय द्वारा निर्दिष्ट प्रश्नपत्र प्रारूप पाठ्यक्रम के अंत में दिया गया है |

संदर्भ ग्रन्थ :

1. छायावादोत्तर हिन्दी कविता, डॉ.द्वारकाप्रसाद साँचीहर, चिंता प्रकाशन, पिलानी(राज)31 |
2. अधुनातन आकलन : पन्त,प्रसाद,निराला, रामप्रसाद मिश्र, भारतीय ग्रन्थ निकेतन, नई दिल्ली |
3. नागार्जुन का काव्य और युग संबंधो का अनुशीलन, डॉ.जगन्नाथ पंडित, रंगद्वार प्रकाशन, अहमदाबाद-15 |
4. रामधारीसिंह 'दिनकर' का काव्य : एक अनुशीलन, डॉ.गिरीशचन्द्र पाल, साधना प्रकाशन, कानपुर |
5. बच्चन : अनुभूति और अभिव्यक्ति, डॉ.इन्दुबाला दीवान, सूर्य प्रकाशन, दिल्ली-06 |
6. छायावाद और उसके कवि, डॉ.इन्द्रराज सिंह, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली |
7. छायावादयुगीन काव्य, डॉ.अविनाश भारद्वाज, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली |
8. नई कविता के नए कवि, विश्वंभर मानव, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |

बी.ए. (हिन्दी) सेमेस्टर - 3
आधुनिक हिन्दी नाट्य साहित्य
मुख्य एवम् प्रथम गौण : हिन्दी (CC304 & ECI307)
प्रश्नपत्र नं.6

प्रतिपाद्य :-

भारतीय साहित्य में नाटक की परंपरा अति प्राचीन है | ' पंचमवेद ' के रूप में स्वीकृत नाटक साहित्य की हिन्दी नाट्य साहित्य में नई दिशाएँ स्थापित हुई है | नाटक के कथ्य, शिल्प एवं रंगमंच से छात्रों को अवगत कराना आवश्यक है | दृश्य साहित्य स्वरूप में आधुनिक समय में एकांकी का भी विकास हुआ है | गागर में सागर भरने की विशेषता एकांकी की पहचान है | छात्रों को नाटक - एकांकी के स्वरूप तथा मूर्धन्य रचनाकारों की रचनाओं का साक्षात्कार कराना आवश्यक है |

पाठ्यपुस्तक:-

' ध्रुवस्वामिनी ' - जयशंकर प्रसाद, राजकमल प्रकाशन
' जोंक ' – उपेन्द्रनाथ अश्क
' औरंगजेब की आखिरी रात ' – डॉ. रामकुमार वर्मा

पाठ्यवस्तु :

युनिट-1 : 1. नाटक तथा एकांकी साहित्य : स्वरूप का परिचय तथा रचनाकारों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का अध्यापन |

2. ' ध्रुवस्वामिनी ' की कथावस्तु और उसके तात्विक मूल्यांकन का अध्ययन तथा स-संदर्भ व्याख्या, टिप्पणियाँ आदि का अध्यापन |

3. ' ध्रुवस्वामिनी ' नाटक की ऐतिहासिकता तथा रंगमंचीयता का अध्यापन |

कक्षा अध्यापन 12 घंटे अंक – 18

युनिट-2 : 1. ' ध्रुवस्वामिनी ' नाटक के पात्रों का चित्रांकन और उसकी समस्याओं का अध्यापन |

2. ' ध्रुवस्वामिनी ' नाटक का अंत, शीर्षक और गीत योजना का अध्यापन |

कक्षा अध्यापन 12 घंटे अंक – 18

युनिट-3 : 1. ' ध्रुवस्वामिनी ' नाटक में भारतीय एवं पाश्चात्य नाट्य तत्वों के समन्वय का अध्यापन |

2. ' ध्रुवस्वामिनी ' नाटक में राष्ट्रीयता का अध्यापन |

कक्षा अध्यापन 11 घंटे अंक – 17

युनिट-4 : 1. ' जोंक ' एकांकी : कथा, चरित्र, उद्देश्य एवं शीर्षक तथा स-संदर्भ व्याख्या, टिप्पणियाँ आदि का अध्यापन |

2. ' औरंगजेब की आखिरी रात ' एकांकी : कथा, चरित्र, उद्देश्य एवं शीर्षक तथा स-संदर्भ

व्याख्या, टिप्पणियाँ आदि का अध्यापन |

कक्षा अध्यापन 10 घंटे
अंक – 17

<u>प्रश्नपत्र प्रारूप</u> :

लिखित परीक्षा 70 अंक

<u>आंतरिक मूल्यांकन :</u>

1. कसौटी - 15 अंक | (10 अंक निबंधलक्षी प्रश्न और 5 अंक के लघुत्तरी प्रश्न)
2. स्वाध्याय/प्रस्तुतीकरण - 10 अंक |
3. उपस्थिति - <u>05 अंक</u> |

कुल - 30 अंक

1.1 30 अंक की कसौटी के अंतर्गत 4 इकाइयों से 4 प्रश्न होंगे और प्रश्नों के अंक क्रमशः 08+08+07+07=30 रहेंगे |

1.2 स्वाध्याय कम से कम 15 पृष्ठों में लिखा हुआ होना अनिवार्य है |

<u>सूचना</u> : आंतरिक एवं लिखित परीक्षा का विश्वविद्यालय द्वारा निर्दिष्ट प्रश्नपत्र प्रारूप पाठ्यक्रम के अंत में दिया गया है |

संदर्भ ग्रन्थ :-

1. हिन्दी समस्यामूलक नाटको की शिल्पविधि, पूनम कुमारी, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |
2. नया हिन्दी नाटक, भानुदेव शुक्ल, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |
3. आधुनिक हिन्दी नाटक एवम रंगमच, लक्ष्मीनारायण लाल, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |
4. प्रसाद प्रतिभा, सं.डॉ.इन्द्रनाथ मदान, नॅशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली |
5. भारतीय नारी अस्मिता की पहचान, शुक्ल उमा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |